1 भारत की आरती

पाठ-परिचय

प्रस्तुत **कविता** के माध्यम से कवि ने भारत देश की आरती उतारने का वर्णन किया है। उसके जन-मानस को गंगा बताया है। इसकी जनता के विश्वास को हिमालय की तरह अटल बताया है और यहाँ की भूमि को किसानों के पवित्र बलिदानों की भूमि कहा है।

भारत की आरती
देश-देश की स्वतंत्रता देवी
आज अमित प्रेम से उतारती।
निकटपूर्व, पूर्व-दक्षिण में
जन-गण-मन इस अपूर्व शुभ क्षण में
गाते हैं घर में हों या रण में
भारत की लोकतंत्र भारती।
गर्व आज करता है एशिया
अरब, चीन, मिस्र, हिंद-एशिया
उत्तर की लोक संघ शक्तियाँ
युग-युग की आशाएँ वारतीं।
साम्राज्य पूँजी का क्षत होवे
ऊँच-नीच का विधान नत होवे
साधिकार जनता उन्नत होवे
जो समाजवाद जय पुकारती।
जन का विश्वास ही हिमालय है
भारत का जन-मन ही गंगा है
हिंद महासागर लोकाशय है
यही शक्ति सत्य को उभारती।
यह किसान कमकर की भूमि है
पावन बलिदानों की भूमि है
भव के अरमानों की भूमि है
मानव इतिहास को सँवारती।

—शमशेर बहादुर सिंह

जीवन-परिचय

शमशेर बहादुर सिंह
(1911-1993)

कवि **शमशेर बहादुर सिंह** का जन्म 13 जनवरी, 1911 को देहरादून (उत्तराखंड) में हुआ था। उन्होंने 1938 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय से एम० ए० की परीक्षा उत्तीर्ण की।
1935-36 में प्रसिद्ध चित्रकार उकील बंधुओं से चित्रकला का प्रशिक्षण लिया। 1939 में आप 'रूपाभ' पत्रिका से जुड़ गए। इसके बाद इन्होंने 'कहानी', 'नया साहित्य', 'कम्यून', 'नया पथ', 'मनोहर कलियाँ' आदि कई पत्रिकाओं के संपादन कार्य में सहयोग किया। 1965-77 में 'उर्दू-हिंदी शब्दकोश' का संपादन किया। 'कुछ कविताएँ', 'चुका भी हूँ नहीं मैं', 'बात बोलेगी' आदि इनकी प्रमुख रचनाएँ हैं।
1993 ई० में इनका देहांत हो गया।

शब्द-संपदा

अमित = अत्यधिक। **निकट** = पास। **अपूर्व** = जैसा पहले न हुआ हो। **रण** = युद्ध। **भारती** = वाणी, सरस्वती। **गर्व** = अभिमान। **संघ** = राष्ट्रों का समूह। **लोक** = विश्व। **वारतीं** = न्योछावर करतीं। **क्षत** = घायल। **नत** = झुका हुआ। **साधिकार** = अधिकार सहित। **उन्नत** = ऊँचा। **लोकाशय** = (लोक + आशय) लोगों का विचार। **भव** = संसार।

अभ्यास प्रश्न

कविता से .....

1. दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर के सामने ✓ लगाइए :

क. इस कविता में किसके लिए आरती की गई है?

(i) स्वतंत्रता के लिए ☐ (ii) प्रेम के लिए ☐ (iii) देश के लिए ☐ (iv) भारती के लिए ☐

ख. 'जन-गण-मन' क्या है?

(i) राष्ट्रीय गीत ☐ (ii) राष्ट्रगान ☐ (iii) आरती ☐ (iv) लोकगीत ☐

ग. भारत में किस तरह की शासन पद्धति है?

(i) राजशाही ☐ (ii) साम्यवादी ☐ (iii) पूँजीवादी ☐ (iv) लोकतंत्रीय ☐

घ. भारत के उत्तर में कौन है?

(i) अरब ☐ (ii) चीन ☐ (iii) मिस्र ☐ (iv) हिंद ☐

ङ. एशिया क्या है?

(i) पहाड़ ☐ (ii) पठार ☐ (iii) महासागर ☐ (iv) महाद्वीप ☐

2. दिए प्रश्नों के विस्तृत उत्तर लिखिए :

क. आरती उतारने से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए।

ख. समाजवाद में किस प्रकार के समाज की कामना की जाती है?

ग. हिमालय और गंगा के बारे में क्या कहा गया है?

घ. भारत भूमि को किस प्रकार की बताया गया है?

3. दी गई पंक्तियों का भाव स्पष्ट करके लिखिए :

क. भारत की आरती

देश-देश की स्वतंत्रता देवी

आज अमित प्रेम से उतारती।

ख. जन का विश्वास ही हिमालय है

भारत का जन-मन ही गंगा है

ग. साधिकार जनता उन्नत होवे

जो समाजवाद जय पुकारती।

4. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

गर्व आज करता है एशिया

अरब, चीन, मिस्र, हिंद-एशिया

उत्तर की लोक संघ शक्तियाँ

युग-युग की आशाएँ वारतीं।

5. सोचकर लिखिए :

क. भारत में किस प्रकार की शासन व्यवस्था है?

ख. इस शासन व्यवस्था में किसका प्रभुत्व रहता है?

ग. 'समाजवाद' से आप क्या समझते हैं?

घ. आप देश में कौन-सी शासन व्यवस्था चाहते हैं और क्यों?

भाषा से.....

1. संधि-विच्छेद कीजिए :

पर्वतारोहण	= _____	सिंहासन	= _____	छात्रावास	= _____
शिवालय	= _____	सत्याग्रह	= _____	धर्मात्मा	= _____
लोकाशय	= _____	हिमाच्छादित	= _____	पुस्तकालय	= _____

2. तुकांत शब्द लिखिए :

आरती	– _____	वारती	– _____	शक्ति	– _____	क्षण	– _____
क्षत	– _____	देवी	– _____	मन्नत	– _____		

3. विलोम शब्द लिखिए :

उन्नत × _____ जय × _____ प्रेम × _____ सत्य × _____

आशा × _____ ऊँच × _____ पूर्व × _____ उत्तर × _____

4. 'अ' उपसर्ग लगाकर कोई चार शब्द लिखिए :

_____ _____ _____ _____

रचनात्मक गतिविधियाँ

1. भारत देश की महानता दर्शाने वाली अन्य कविताओं का संकलन कीजिए।
2. कंप्यूटर अथवा पुस्तकालय से जानकारी प्राप्त कर निम्नांकित विषयों में से किसी एक पर परियोजना/प्रेज़ेंटेशन तैयार कीजिए :

   क. हिमालय ख. गंगा ग. महात्मा बुद्ध घ. नारद